प्रथम स्वदेशी गोताखोरी सहायता पोत 'निस्तार' भारतीय नौसेना को सौंपा गया

- चर्चा में क्यों?
- भारतीय नौसेना को 8 जुलाई 2025 को हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा विशाखापत्तनम में पहला स्वदेशी गोताखोरी सहायता पोत 'निस्तार' सौंपा गया। यह पोत भारतीय नौसेना के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक क्षमता का प्रतीक है, जो गहरे समुद्र में गोताखोरी और बचाव अभियानों को सक्षम बनाता है—एक क्षमता जो दुनिया की कुछ चुनिंदा नौसेनाओं के पास है।
- 'निस्तार' का नाम संस्कृत शब्द "निस्तार" से लिया गया है, जिसका अर्थ होता है मुक्ति, बचाव या मोक्ष

INS निस्तार की प्रमुख विशेषताएँ

- आयाम: 118 मीटर लंबाई और लगभग 10,000 टन वज़न।
- डिज़ाइन और निर्माण: भारतीय रजिस्टर ऑफ शिपिंग (IRS) के मानकों के अनुसार स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और निर्मित।

गोताखोरी क्षमता:

- 300 मीटर गहराई तक गहरीगोताखोरी।
- 75 मीटर गहराई तक साइड डाइविंग स्टेज के माध्यम से गोताखोरी।
- 1,000 मीटर गहराई तक रिमोटली ऑपरेटेड व्हीकल्स (ROVs) के माध्यम से निगरानी और बचाव कार्य।

- मदर शिप भूमिका: गहरे जलमग्न बचाव पोत (DSRV) के लिए 'मदर शिप' के रूप में कार्य, जिससे पनडुब्बी आपात स्थितियों में कर्मियों को बचाने और निकालने में सहायता मिलती है।
- स्वदेशी निर्माण: लगभग 75% स्वदेशी सामग्री का उपयोग, जो 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' अभियानों के अनुरूप है। यह भारतीय नौसेना के स्वदेशी निर्माण में योगदान और समुद्री सुरक्षा को सशक्त बनाने के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

रणनीतिक महत्व

- INS निस्तार की डिलीवरी भारतीय नौसेना की समुद्री सुरक्षा और बचाव क्षमताओं को मजबूत करती है। यह पोत गहरे समुद्र में पनडुब्बी बचाव, खोज और बचाव (SAR) अभियानों, और अन्य जटिल समुद्री मिशनों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। HSL की यह उपलब्धि स्वदेशी निर्माण में प्रगति और तकनीकी क्षमता का प्रतीक है।